भारत सरकार
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय
भारत मौसम विज्ञान विभाग

प्रेस विज्ञप्ति

तारीखः 23 सितम्बर, 2025

जारी करने का समय: 1330 घंटे

विषय: (i) पश्चिम बंगाल के गंगा तटीय क्षेत्रों और उससे सटे उत्तरी ओडिशा और उत्तर-पश्चिम बंगाल की खाड़ी के ऊपर एक निम्न दबाव का क्षेत्र बना हुआ है और 25 सितंबर के आसपास उत्तर-पश्चिम और उससे सटे मध्य बंगाल की खाड़ी के ऊपर एक नया निम्न दबाव का क्षेत्र बनने की संभावना है। इन प्रणालियों के प्रभाव में, आज, 23 तारीख को पश्चिम बंगाल के गंगा तटीय क्षेत्रों, 26 तारीख तक ओडिशा, 26 और 27 सितंबर 2025 को तटीय आंध्र प्रदेश और तेलंगाना में भारी से बहुत भारी वर्षा होने की संभावना है।

(ii) 25 से 29 सितंबर, 2025 के दौरान कोंकण और गोवा तथा मध्य महाराष्ट्र के घाट क्षेत्रों में भारी से बहुत भारी वर्षा की एक नई लहर चलने की संभावना है।

पिछले 24 घंटों में 23 सितम्बर, 2025 को सुबह 08:30 बजे IST तक का मौसम विवरण:

- पश्चिम बंगाल के गंगा तटीय क्षेत्रों में अलग-अलग स्थानों पर अत्यधिक भारी वर्षा दर्ज की गई है।
- तेलंगाना, मध्य महाराष्ट्र और गुजरात क्षेत्र में अलग-अलग स्थानों पर बहुत भारी वर्षा (12-20 सेमी) दर्ज की गई है।
- आंतरिक कर्नाटक, कोंकण, मराठवाड़ा, सौराष्ट्र, ओडिशा, झारखंड, बिहार, उप हिमालयी पश्चिम बंगाल, पश्चिम मध्य प्रदेश और नागालैंड में अलग-अलग स्थानों पर भारी वर्षा (7-11 सेमी) दर्ज की गई है।

पिछले मौसम की अधिक जानकारी के लिए, कृपया **अनुलग्नक I** देखें।

दक्षिण-पश्चिम मानसून की वापसी:

- दक्षिण-पश्चिम मानसून की वापसी रेखा 32°N/74°E, तरनतारन, संगरूर, जींद, रेवाड़ी, टोंक, महेसाणा, पोरबंदर, 21°N/68°E से होकर गुजर रही है।
- अगले 24 घंटों के दौरान गुजरात, राजस्थान, हरियाणा और पंजाब के कुछ और हिस्सों; उत्तर प्रदेश, दिल्ली, हिमाचल प्रदेश, जम्मू और कश्मीर के कुछ हिस्सों से दक्षिण-पश्चिम मानसून की वापसी के लिए परिस्थितियाँ अनुकूल होती जा रही हैं। **(अनुलग्नक II)**

मौसम प्रणालियाँ, पूर्वानुमान और चेतावनियाँ (अनुलग्नक III और IV देखें):

- आज, 23 सितंबर 2025 को सुबह 0830 बजे भारतीय समयानुसार पश्चिम बंगाल के गंगा तटीय क्षेत्रों और उससे सटे उत्तरी ओडिशा और उत्तर-पश्चिम बंगाल की खाड़ी के तटीय क्षेत्रों पर निम्न दबाव का क्षेत्र बना हुआ है। अगले 24 घंटों के दौरान इसके इसी क्षेत्र में बने रहने और उसके बाद कम स्पष्ट होने की संभावना है।
- पश्चिम बंगाल के गंगा तटीय क्षेत्रों और उससे सटे उत्तरी ओडिशा और उत्तर-पश्चिम बंगाल की खाड़ी के ऊपर निम्न दबाव के क्षेत्र से जुड़े चक्रवाती परिसंचरण से एक द्रोणिका निचले क्षोभमंडलीय स्तरों पर ओडिशा होते हुए तेलंगाना तक बनी हुई है।
- एक और द्रोणिका पश्चिम बंगाल के गंगा तटीय क्षेत्रों और उससे सटे उत्तरी ओडिशा और उत्तर-पश्चिम बंगाल की खाड़ी के ऊपर निम्न दबाव के क्षेत्र से जुड़े ऊपरी वायु चक्रवाती परिसंचरण से निचले और मध्य क्षोभमंडलीय स्तरों पर ओडिशा, दक्षिण छत्तीसगढ़, तेलंगाना, उत्तर आंतरिक कर्नाटक होते हुए दक्षिण महाराष्ट्र तट तक बनी हुई है।
- मध्य महाराष्ट्र और आसपास के मध्य भागों पर औसत समुद्र तल से 3.1 किमी ऊपर एक ऊपरी वायु चक्रवाती परिसंचरण बना हुआ है।
- 25 सितंबर के आसपास उत्तर-पश्चिम और उससे सटे मध्य बंगाल की खाड़ी में एक नया निम्न दबाव का क्षेत्र बनने की संभावना है। लगभग पश्चिम की ओर बढ़ते हुए, इसके 26 सितंबर को दक्षिण ओडिशा-उत्तरी आंध्र प्रदेश के तटों के पास उत्तर-पश्चिम और उससे सटे पश्चिम-मध्य बंगाल की खाड़ी में एक अवदाब क्षेत्र बनने की प्रबल संभावना है। इसके 27 सितंबर के आसपास दक्षिण ओडिशा-उत्तरी आंध्र प्रदेश के तटों को पार करने की प्रबल संभावना है।
- इन प्रणालियों के प्रभाव में, निम्नलिखित मौसम की संभावना है:

पूर्व और मध्य भारत:

- अधिकांश/कई स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश/तूफान के साथ ओडिशा, छत्तीसगढ़ में 22 से 27 सितंबर तक; बिहार में 23 और 24 सितंबर को; झारखंड, गंगीय पश्चिम बंगाल में 23 से 25 सितंबर तक; पश्चिम मध्य प्रदेश में 23 सितंबर को; पूर्व मध्य प्रदेश में 24 सितंबर को; विदर्भ में 24 से 27 सितंबर तक अलग-अलग स्थानों पर भारी बारिश की संभावना है। ओडिशा में 23 से 26 सितंबर तक; गंगीय पश्चिम बंगाल, झारखंड में 23 सितंबर को और छत्तीसगढ़ में 24 और 25 सितंबर को बहुत भारी बारिश की संभावना है।
- अगले 5 दिनों तक पूर्वी भारत में तूफान और 30-40 किमी प्रति घंटा की गति वाली झोंकेदार हवाओं की बहुत संभावना है।

पश्चिम भारत:

- मध्य महाराष्ट्र, मराठवाड़ा में अगले 7 दिनों तक (24 सितंबर को छोड़कर); कोंकण और गोवा में 25 से 29 सितंबर तक और गुजरात क्षेत्र में 23 सितंबर को और 27 से 29 सितंबर तक कई/कुछ स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश/तूफान के साथ अलग-अलग स्थानों पर भारी बारिश की संभावना है। कोंकण और गोवा, मध्य महाराष्ट्र में 26 से 29 सितंबर तक और मराठवाड़ा में 27 सितंबर को बहुत भारी बारिश की संभावना है।

उत्तर-पूर्व भारत:

- असम और मेघालय में 23, 24 और 29 सितंबर को; नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में 23 और 24 सितंबर को कई/कुछ स्थानों पर हल्की/मध्यम बारिश/तूफान के साथ अलग-अलग स्थानों पर भारी बारिश की संभावना है।

दक्षिण प्रायद्वीपीय भारत:

- तटीय आंध्र प्रदेश और यनम, तेलंगाना में 22 से 28 सितंबर तक; तमिलनाडु में 25 से 27 सितंबर तक; केरल और माहे में 25 से 28 सितंबर तक; रायलसीमा, तटीय कर्नाटक में 26 और 27 सितंबर को; उत्तरी आंतरिक कर्नाटक में 26 से 28 सितंबर तक कई/कुछ स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश/तूफान के साथ अलग-अलग स्थानों पर भारी बारिश की संभावना है। तटीय आंध्र प्रदेश और यनम, तेलंगाना में 26 और 27 सितंबर को बहुत भारी बारिश की संभावना है।

- अगले 5 दिनों तक तटीय आंध्र प्रदेश और यनम, रायलसीमा में 30-40 किमी प्रति घंटा की गति वाली तेज सतही हवाओं की बहुत संभावना है।

मछुआरों के लिए चेतावनी:

- मछुआरों को 23 से 28 सितंबर के दौरान निम्नलिखित क्षेत्रों में न जाने की सलाह दी जाती है:
- **अरब सागर:** दक्षिण-पश्चिम और उससे सटे पश्चिम-मध्य अरब सागर के कुछ हिस्से, 23 से 28 सितंबर के दौरान सोमालिया तट के साथ और उसके आसपास न जाने की सलाह दी जाती है।
- **बंगाल की खाड़ी:** मन्नार की खाड़ी और उससे सटे कोमोरिन क्षेत्र, 23 से 28 सितंबर तक श्रीलंका तट के साथ और उसके आसपास, पूरी बंगाल की खाड़ी में, 25 से 28 सितंबर के दौरान तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश, ओडिशा तटों के साथ और उसके आसपास; और 23 से 28 सितंबर तक पश्चिम बंगाल, बांग्लादेश, म्यांमार तटों के साथ और उसके आसपास; 23 से 28 सितंबर के दौरान अंडमान सागर; कोंकण और गोवा, कर्नाटक, केरल, लक्षद्वीप क्षेत्र में 25 से 28 सितंबर के दौरान और दक्षिण गुजरात में 27 सितंबर 2025 को न जाने की सलाह दी जाती है।

ii. 23 सितम्बर से 26 सितंबर 2025 के दौरान दिल्ली/एनसीआर में मौसम की स्थिति और पूर्वानुमान (अनुलग्नक IV)

अधिक जानकारी के लिए, कृपया राष्ट्रीय मौसम बुलेटिन देखें:
https://mausam.imd.gov.in/responsive/all_india_forcast_bulletin.php
जिलेवार चेतावनियों के लिए देखें: https://mausam.imd.gov.in/responsive/districtWiseWarningGIS.php

अनुलग्नक I

वर्षा रिकॉर्ड की गई (से.मी.):

- **गांगेय पश्चिम बंगाल:** अलीपुर (जिला कोलकाता) 25; मो साल्टलेक (जिला उत्तर 24 परगना) 23; अमता (जिला हावड़ा) 12; बशीरहाट(पीटी) (जिला उत्तर 24 परगना) 11; दीघा (जिला पूर्वी मिदनापुर) 10; उलुबेरिया (जिला हावड़ा) 8; झारग्राम पीटीओ (जिला झारग्राम), बैरकपुर (आईएएफ) (जिला उत्तर 24 परगना) 7 प्रत्येक;
- **गुजरात क्षेत्र:** डांग (आहवा) (जिला डांग) 17; सुबीर (जिला डांग), पलसाना (जिला सूरत) 7 प्रत्येक;
- **मध्य महाराष्ट्र:** शेवगांव (जिला अहिल्यानगर) 16; पचोरा (जिला जलगांव), भडगांव (जिला जलगांव) 14 प्रत्येक; पथरडी (जिला अहिल्यानगर) 13; ओझरखेड़ा - एफएमओ (जिला नासिक) 12; हरसुल - एफएमओ (जिला नासिक) 10; नंदगांव (जिला नासिक), चालीसगांव (जिला जलगांव), दहीगांव - एफएमओ (जिला जलगांव), पेठ (जिला नासिक) 8 प्रत्येक; धुले (जिला धुले), माधा (जिला शोलापुर) 7 प्रत्येक;
- **तेलंगाना**: मचारेड्डी (जिला कामारेड्डी), गुंडाला (जिला बी. कोठागुडेम) 12 प्रत्येक; आत्मकुर्रगल (जिला हनुमाकोंडा) 11; नरमेटा (जिला जंगांव) 10; कोंडापक (जिला सिद्दीपेट), शेकपेट (जिला हैदराबाद), अंबरपेट (जिला हैदराबाद) 9 प्रत्येक; वारगल (जिला सिद्दीपेट), नागा रेड्डीपेट (जिला कामारेड्डी) 8 प्रत्येक; दोर्नाकल (जिला महबुबाबाद), धर्मसागर (जिला हनुमाकोंडा), पितलम (जिला कामारेड्डी) 7 प्रत्येक;
- **झारखंड**: सोनुआ (जिला पश्चिम सिंहभूम) 11;
- **ओडिशा**: नंदपुर (जिला कोरापुट) 10; कोरापुट (जिला कोरापुट), बेतानाटी (जिला मयूरभंज), भोगराई (जिला बालासोर), मुरुदा (जिला मयूरभंज), बीजाटाला (जिला मयूरभंज) 9 प्रत्येक; लामातापुट (जिला कोरापुट) 8; जयपटना (जिला कालाहांडी), जेपोर (जिला कोरापुट), धनकौड़ा (जिला संबलपुर), जेनापुर (जिला जाजपुर) 7 प्रत्येक;
- **मराठवाड़ा**: वाशी (जिला धाराशिव) 10; पैठण (जिला छ. संभाजीनगर) 9; भूम (जिला धाराशिव), वैजापुर (जिला छ. संभाजीनगर) 8 प्रत्येक; पटोदा (जिला बीड), शिरूर कसार (जिला बीड), वडावानी (जिला बीड), जियोराई (जिला बीड) 7 प्रत्येक;
- **दक्षिण आंतरिक कर्नाटक**: अगुम्बे एडब्ल्यूएस (जिला शिवमोग्गा) 9;
- **पश्चिमी मध्य प्रदेश:** सेंधवा (मध्यप्रदेश) (जिला बड़वानी) 9; नालछा (जिला धार) 8; तिरला (जिला धार) 7;
- **उप हिमालयी पश्चिम बंगाल**: झलोंग (जिला कलिम्पोंग) 9;
- **कोंकण:** मोखेड़ा - एफएमओ (जिला पालघर), वाडा (जिला पालघर), पोलादपुर (जिला रायगढ़) 8 प्रत्येक; जव्हार (जिला पालघर), दहानु (जिला पालघर) 7 प्रत्येक;
- **सौराष्ट्र और कच्छ**: महुवा (बी) (जिला भावनगर) 7;
- **बिहार**: सरायगढ़ भपटियाही (जिला सुपौल) 7;
- **नागालैंड**: दीमापुर एनएसडीएमए एडब्ल्यूएस (जिला दीमापुर) 7.

अनुलग्नक II

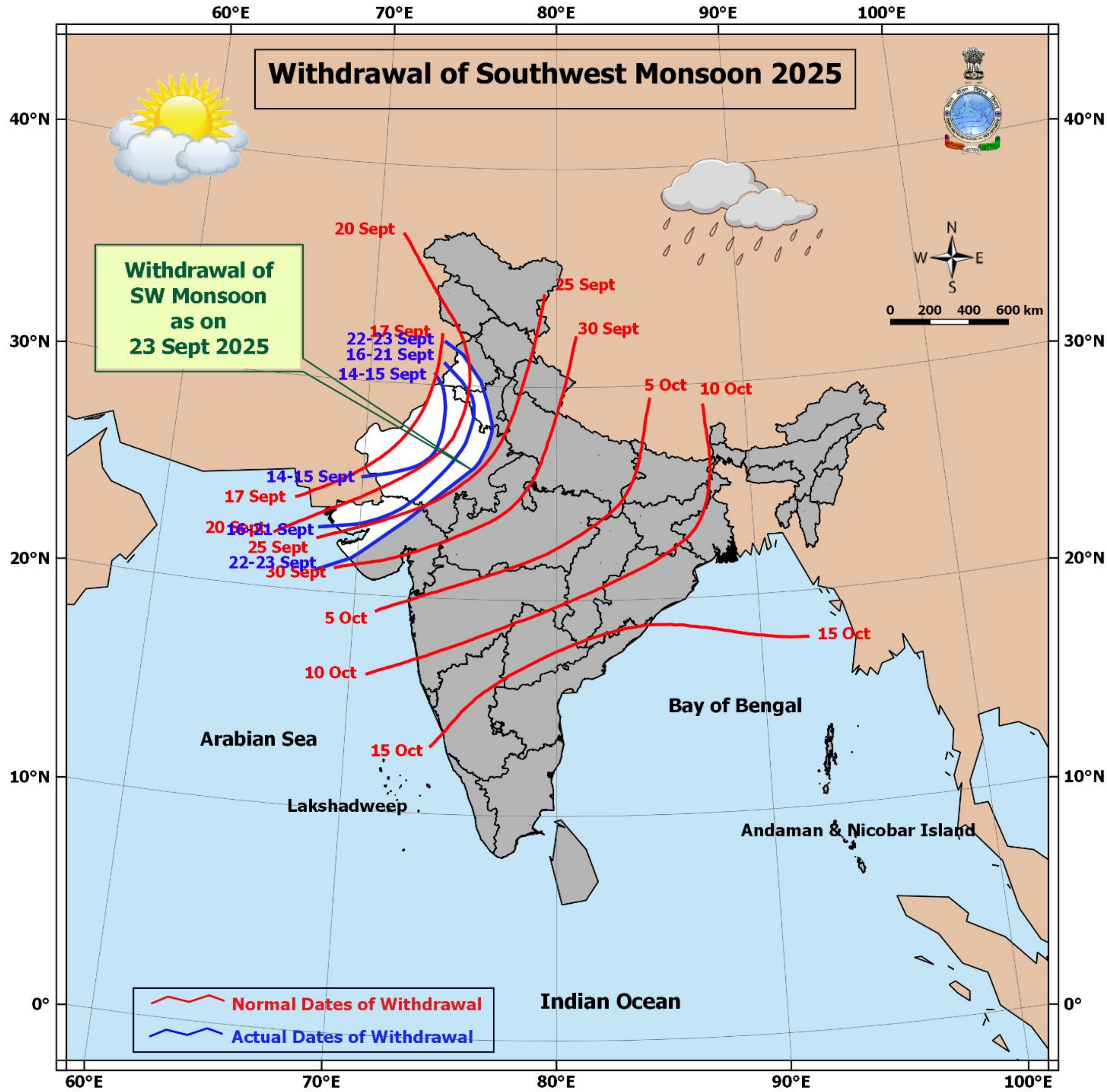
Withdrawal of Southwest Monsoon 2025
Withdrawal of SW Monsoon as on 23 Sept 2025
20 Sept
17 Sept
22-23 Sept
16-21 Sept
14-15 Sept
25 Sept
30 Sept
5 Oct
10 Oct
15 Oct
Arabian Sea
Bay of Bengal
Lakshadweep
Andaman & Nicobar Island
Indian Ocean
Normal Dates of Withdrawal
Actual Dates of Withdrawal
N
W
E
S
0 200 400 600 km
60°E
70°E
80°E
90°E
100°E
40°N
30°N
20°N
10°N
0°

अनुलग्नक III

Table-1

7 Days Rainfall Forecast

S.No.	Subdivision	23- Sep	24- Sep	25- Sep	26- Sep	27- Sep	28- Sep	29- Sep
		Day 1	Day 2	Day 3	Day 4	Day 5	Day 6	Day 7
1	ANDAMAN & NICOBAR ISLANDS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	WS	WS
2	ARUNACHAL PRADESH	SCT	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	SCT
3	ASSAM & MEHGHALAYA	SCT	SCT	SCT	ISOL	ISOL	SCT	SCT
4	NAGALAND, MANIPUR, MIZORAM AND TRIPURA	SCT	SCT	SCT	SCT	ISOL	SCT	SCT
5	SUB HIMALAYAN WEST BENGAL & SIKKIM	SCT	SCT	SCT	SCT	FWS	FWS	FWS
6	GANGETIC WEST BENGAL	WS	WS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS
7	ODISHA	WS	WS	WS	WS	FWS	FWS	FWS
8	JHARKHAND	WS	WS	WS	FWS	FWS	FWS	FWS
9	BIHAR	ISOL	ISOL	ISOL	SCT	SCT	ISOL	ISOL
10	EAST UTTAR PRADESH	DRY	ISOL	ISOL	SCT	ISOL	ISOL	ISOL
11	WEST UTTAR PRADESH	DRY	DRY	DRY	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
12	UTTARAKHAND	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
13	HARYANA, CHANDIGARH & DELHI	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
14	PUNJAB	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
15	HIMACHAL PRADESH	ISOL	ISOL	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
16	JAMMU AND KASHMIR AND LADAKH	DRY	ISOL	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
17	WEST RAJASTHAN	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
18	EAST RAJASTHAN	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
19	WEST MADHYA PRADESH	SCT	ISOL	ISOL	SCT	SCT	FWS	FWS
20	EAST MADHYA PRADESH	ISOL	ISOL	SCT	SCT	FWS	FWS	FWS
21	GUJRAT REGION	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT	FWS	FWS
22	SAURASHTRA & KUTCH	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	SCT	SCT
23	KONKAN & GOA	FWS	WS	WS	WS	WS	WS	WS
24	MADHYA MAHARASHTRA	SCT	SCT	SCT	FWS	FWS	FWS	FWS
25	MARATHWADA	WS	SCT	FWS	FWS	WS	WS	FWS
26	VIDARBHA	FWS	FWS	WS	WS	WS	WS	FWS
27	CHHATTISGARH	SCT	FWS	FWS	WS	WS	WS	FWS
28	COASTAL ANDHRA PRADESH	FWS	FWS	WS	WS	FWS	SCT	SCT
29	TELANGANA	FWS	FWS	FWS	WS	WS	WS	FWS
30	RAYALASEEMA	SCT	FWS	FWS	FWS	SCT	ISOL	ISOL
31	TAMILNADU & PUDUCHERRY	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
32	COSTAL KARNATAKA	WS	WS	WS	WS	WS	WS	WS
33	NORTH INTERIOR KARNATAKA	FWS	FWS	FWS	WS	WS	FWS	SCT
34	SOUTH INTERIOR KARNATAKA	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	SCT	SCT
35	KERALA AND MAHE	WS	WS	WS	WS	WS	WS	WS
36	LAKSHADWEEP	WS	WS	WS	WS	WS	FWS	FWS

• जैसे-जैसे लीड पीरियड बढ़ता है पूर्वानुमान सटीकता कम हो जाती है।

अनुलग्नक IV

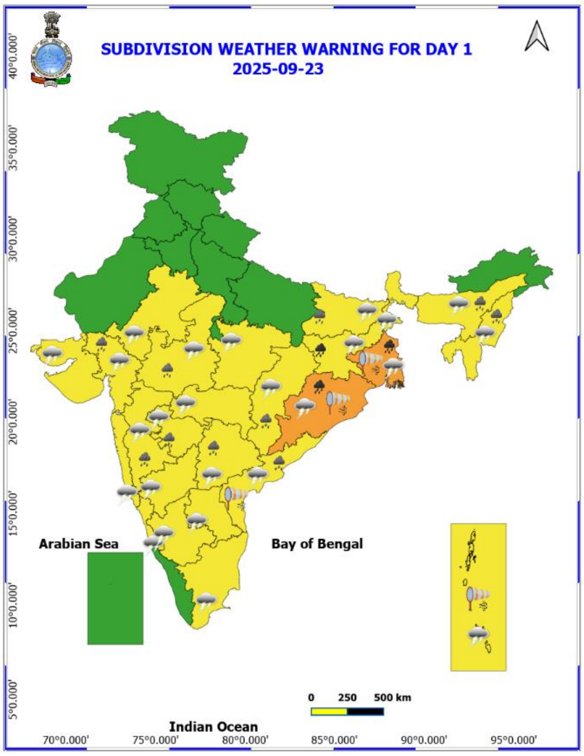
SUBDIVISION WEATHER WARNING FOR DAY 1
2025-09-23
Arabian Sea
Bay of Bengal
Indian Ocean
0 250 500 km
40°0.000'
35°0.000'
30°0.000'
25°0.000'
20°0.000'
15°0.000'
10°0.000'
5°0.000'
70°0.000'
75°0.000'
80°0.000'
85°0.000'
90°0.000'
95°0.000'

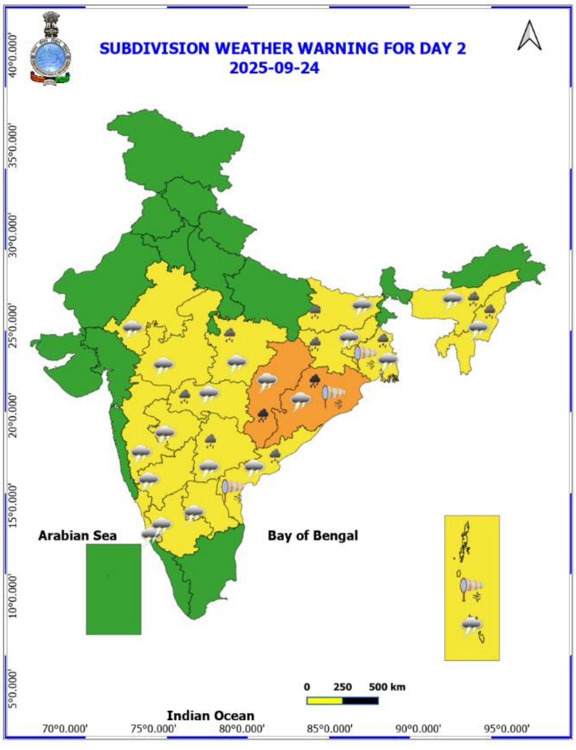
SUBDIVISION WEATHER WARNING FOR DAY 2
2025-09-24
Arabian Sea
Bay of Bengal
Indian Ocean
0 250 500 km
40°0.000'
35°0.000'
30°0.000'
25°0.000'
20°0.000'
15°0.000'
10°0.000'
5°0.000'
70°0.000'
75°0.000'
80°0.000'
85°0.000'
90°0.000'
95°0.000'

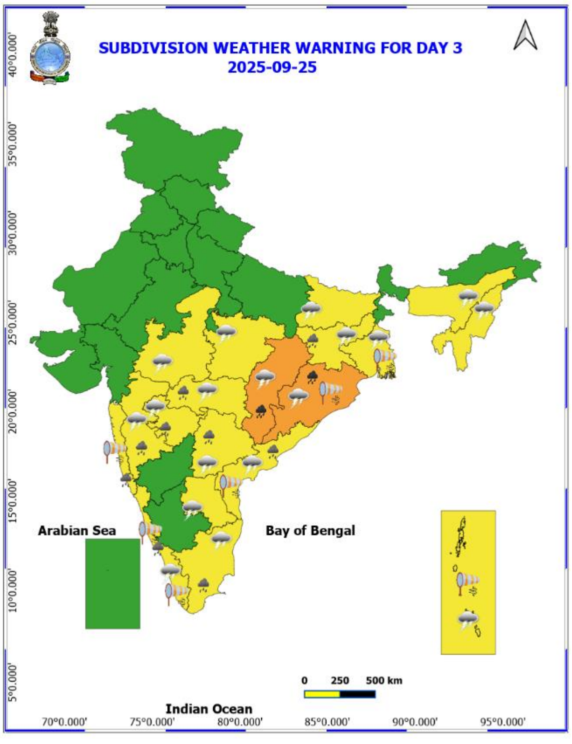
SUBDIVISION WEATHER WARNING FOR DAY 3
2025-09-25
Arabian Sea
Bay of Bengal
Indian Ocean
0 250 500 km
40°0.000'
35°0.000'
30°0.000'
25°0.000'
20°0.000'
15°0.000'
10°0.000'
5°0.000'
70°0.000'
75°0.000'
80°0.000'
85°0.000'
90°0.000'
95°0.000'

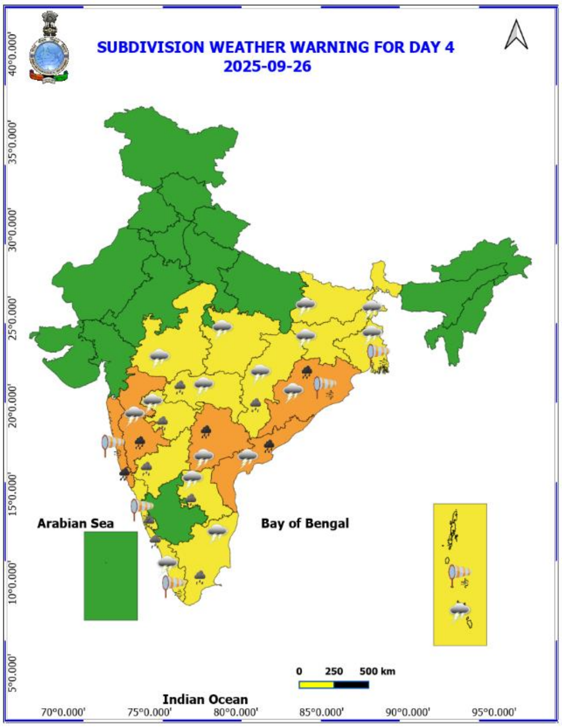

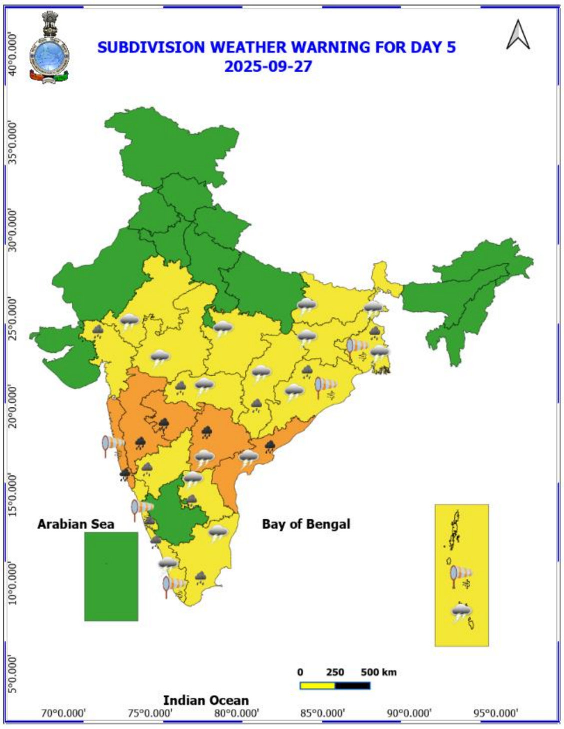

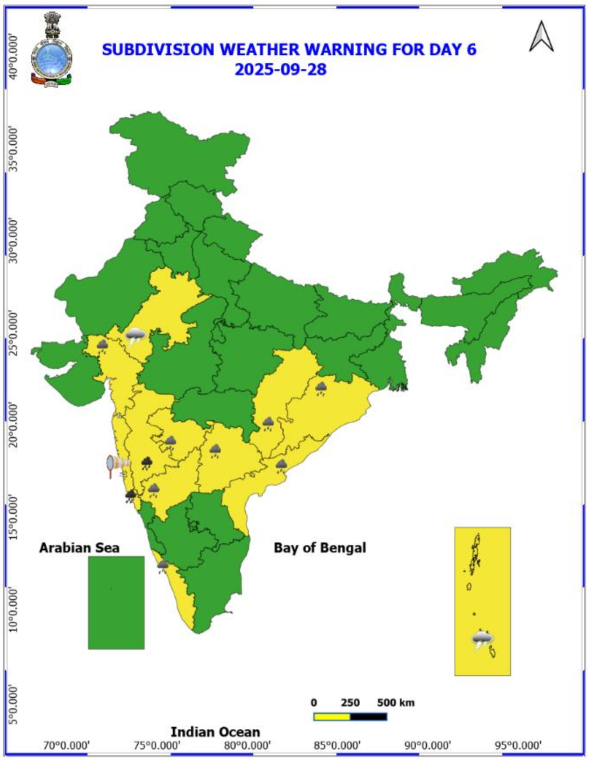

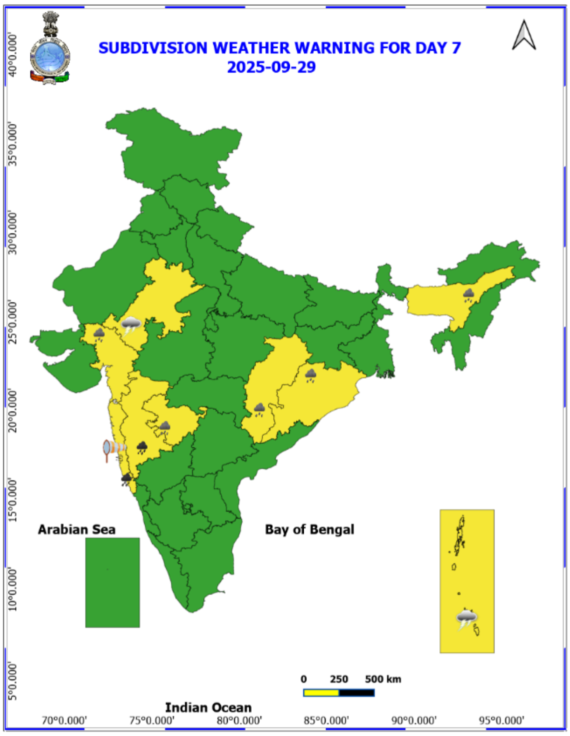

- **नारंगी और लाल रंग की चेतावनियों के आधार पर कार्रवाई की जा सकती है।**
- **असुरक्षित क्षेत्रों में भारी वर्षा की चेतावनी के लिए शहरी और पहाड़ी क्षेत्रों में कार्रवाई शुरू की जा सकती है।**
- **जैसे-जैसे समय बढ़ता है, पूर्वानुमान की सटीकता कम होती जाती है।**

अगले पाँच दिनों के लिए जिलेवार विस्तृत बहु-जोखिम मौसम चेतावनी यहाँ उपलब्ध है
https://mausam.imd.gov.in/responsive/districtWiseWarningGIS.php

अनुलग्नक V

दिल्ली/एनसीआर में 23 से 26 सितंबर 2025 तक का मौसम पूर्वानुमान

पिछला मौसम: पिछले 24 घंटों में दिल्ली/एनसीआर में न्यूनतम और अधिकतम तापमान में कोई बड़ा बदलाव नहीं हुआ है। दिल्ली में अधिकतम तापमान लगभग 34 से 35 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 22 से 24 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहा। न्यूनतम और अधिकतम तापमान सामान्य के आसपास थे। मुख्य रूप से साफ आसमान की स्थिति रही, जिसमें प्रमुख रूप से उत्तर-पश्चिम/पश्चिम दिशा से सतही हवाएँ चलीं, जिनकी गति 20 किमी प्रति घंटा तक थी और झोंकेदार हवाएँ 35 किमी प्रति घंटा तक थीं। आज सुबह के समय क्षेत्र में मुख्य रूप से साफ आसमान था और पश्चिम दिशा से 16 किमी प्रति घंटा से कम गति की हवाएँ चलीं।

मौसम पूर्वानुमान:

23.09.2025: मुख्य रूप से साफ आसमान। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 34 से 36 डिग्री सेल्सियस के दायरे में रहने की संभावना है। अधिकतम तापमान सामान्य के आसपास रहेगा। प्रमुख सतही हवाएँ दोपहर के समय उत्तर-पश्चिम दिशा से 20-25 किमी प्रति घंटा की गति के साथ चलने की संभावना है। शाम और रात के समय हवा की गति कम होकर 15 किमी प्रति घंटा से कम हो जाएगी और दिशा उत्तर-पश्चिम रहेगी।

24.09.2025: मुख्य रूप से साफ आसमान। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 33 से 35 डिग्री सेल्सियस और 23 से 25 डिग्री सेल्सियस के दायरे में रहने की संभावना है। न्यूनतम और अधिकतम तापमान सामान्य के आसपास रहेंगे। प्रमुख सतही हवाएँ सुबह के समय उत्तर-पश्चिम दिशा से 20-22 किमी प्रति घंटा की गति के साथ चलने की संभावना है। दोपहर में हवा की गति धीरे-धीरे बढ़कर 25 किमी प्रति घंटा से कम हो जाएगी और दिशा उत्तर-पश्चिम रहेगी। शाम और रात के समय हवा की गति कम होकर 15 किमी प्रति घंटा से कम हो जाएगी और दिशा उत्तर-पश्चिम रहेगी।

25.09.2025: मुख्य रूप से साफ आसमान। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 32 से 34 डिग्री सेल्सियस और 23 से 25 डिग्री सेल्सियस के दायरे में रहने की संभावना है। न्यूनतम तापमान सामान्य के आसपास रहेगा, जबकि अधिकतम तापमान सामान्य से 1-2 डिग्री सेल्सियस कम रहेगा। प्रमुख सतही हवाएँ सुबह के समय उत्तर-पश्चिम दिशा से 20-22 किमी प्रति घंटा की गति के साथ चलने की संभावना है। दोपहर में हवा की गति धीरे-धीरे बढ़कर 25 किमी प्रति घंटा से कम हो जाएगी और दिशा उत्तर-पश्चिम रहेगी। शाम और रात के समय हवा की गति कम होकर 15 किमी प्रति घंटा से कम हो जाएगी और दिशा उत्तर-पश्चिम रहेगी।

26.09.2025: मुख्य रूप से साफ आसमान। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 32 से 34 डिग्री सेल्सियस और 24 से 26 डिग्री सेल्सियस के दायरे में रहने की संभावना है। न्यूनतम तापमान सामान्य के आसपास रहेगा, जबकि अधिकतम तापमान सामान्य से 1-2 डिग्री सेल्सियस कम रहेगा। प्रमुख सतही हवाएँ सुबह के समय उत्तर-पश्चिम दिशा से 15-20 किमी प्रति घंटा की गति के साथ चलने की संभावना है। दोपहर में हवा की गति धीरे-धीरे बढ़कर 25 किमी प्रति घंटा से कम हो जाएगी और दिशा उत्तर-पश्चिम रहेगी। शाम और रात के समय हवा की गति कम होकर 15 किमी प्रति घंटा से कम हो जाएगी और दिशा उत्तर-पश्चिम रहेगी।

बहुत भारी वर्षा के कारण सुझाए गए प्रभाव और कार्रवाई:

- 23 से 26 सितंबर के दौरान ओडिशा में; 23 को गंगीय पश्चिम बंगाल, झारखंड, 24 और 25 को छत्तीसगढ़; 26 से 29 सितंबर के दौरान कोंकण और गोवा, मध्य महाराष्ट्र और 27 सितंबर को मराठवाड़ा में अलग-अलग स्थानों पर बहुत भारी वर्षा (12-20 सेमी) की संभावना है।

अपेक्षित प्रभाव:

- निचले इलाकों और नदी तटों के कई हिस्सों में जलभराव/बाढ़।
- नगरपालिका सेवाओं (पानी, बिजली आदि) में स्थानीय और अल्पकालिक व्यवधान।
- यातायात प्रवाह में प्रमुख व्यवधान। प्रमुख सड़कें/स्थानीय ट्रेनें प्रभावित।
- बहुत पुरानी इमारतों और अनुरक्षित न की गई संरचनाओं के लिए खतरा, पेड़ों के गिरने की संभावना।
- निचले जल पुलों को पार करने वाली सड़कों का बंद होना।

सुझाई गई कार्रवाई:

- यातायात को प्रभावी ढंग से नियंत्रित किया जाए।
- प्रभावित क्षेत्रों में लोगों को अपनी आवाजाही सीमित करने की सलाह दी जाती है।

भारी / भारी से बहुत भारी वर्षा के संभावित प्रभाव के लिए कृषि-मौसम संबंधी परामर्श

- ओडिशा में, उत्तर मध्य पठारी क्षेत्र में कद्दू, भिंडी, बैंगन आदि जैसी परिपक्व सब्जियों की कटाई करें तथा उन्हें सुरक्षित स्थान पर संग्रहित करें और धान, मूंग, मक्का, अरहर, रागी एवं सब्जियों के खेतों और फलों के बागानों से अतिरिक्त जल की निकासी हेतु जल निकासी नालियों का रखरखाव करें। उत्तर पूर्वी घाट क्षेत्र में मक्का, रागी और सब्जियों के खेतों से; उत्तर पूर्वी तटीय मैदान क्षेत्र में धान, गन्ना एवं सब्जियों के खेतों और फलों के बागानों से तथा पूर्वी घाट उच्च भूमि क्षेत्र और दक्षिण पूर्वी घाट क्षेत्र में धान, अरहर, मक्का, अदरक और सब्जियों के खेतों से अतिरिक्त वर्षा जल की निकासी हेतु उचित प्रावधान करें।
- गांगेय पश्चिम बंगाल में, तटीय लवणीय क्षेत्र में शीतकालीन सब्जी के खेतों और पान के बागानों में तथा लैटेराइट और लाल मृदा क्षेत्र और नवीन जलोढ़ क्षेत्र में धान और सब्जी के खेतों में उचित जल निकासी सुनिश्चित करें।
- झारखंड में, पश्चिमी पठारी क्षेत्र में अरहर, मक्का, रागी और सब्जियों के खेतों में अतिरिक्त जल की निकासी हेतु उचित व्यवस्था करें।
- छत्तीसगढ़ में, धान, मक्का, मूंगफली, अरहर, उड़द और सब्जियों के खेतों में पर्याप्त जल निकासी की सुविधा सुनिश्चित करें।
- महाराष्ट्र में, मध्य महाराष्ट्र में परिपक्व मूंगफली और ज्वार की फसल की कटाई करें तथा काटी गई उपज को सुरक्षित स्थान पर रखें और कपास, अरहर, सोयाबीन, मक्का एवं सब्जियों के खेतों और फलों के बागानों से अतिरिक्त वर्षा जल की निकासी हेतु उचित प्रावधान करें। मराठवाड़ा में, उड़द की कटी हुई उपज को सुरक्षित स्थान पर रखें तथा सोयाबीन, कपास, अरहर एवं सब्जियों के खेतों और फलों के बागानों में पर्याप्त जल निकासी की सुविधा प्रदान करें।
- आंध्र प्रदेश में, उत्तरी तटीय क्षेत्र में धान, मक्का, कपास, मेस्ता, मूंग, उड़द, मूंगफली, गन्ना और सब्जियों के खेतों से तथा उच्च ऊंचाई वाले जनजातीय क्षेत्र में धान, मक्का, दालों, रागी, मूंगफली, अदरक, हल्दी एवं सब्जियों के खेतों और फलों के बागानों से अतिरिक्त जल की निकासी हेतु उचित व्यवस्था करें।
- तेलंगाना में, दक्षिणी तेलंगाना क्षेत्र में धान, कपास, सोयाबीन, मक्का और अरहर की फसलों से अतिरिक्त वर्षा जल की निकासी का प्रावधान करें।
- मिज़ोरम में, मक्के के पके हुए भुट्टों और ऊपरी भूमि पर उगने वाले परिपक्व झूम धान की कटाई करें और काटी गई उपज को सुरक्षित स्थान पर रखें।
- नागालैंड में, तिल और झूम धान की कटाई जारी रखें तथा कटी हुई उपज को सुरक्षित स्थान पर रखें। धान और सोयाबीन के खेतों में जल निकासी की उचित व्यवस्था बनाए रखें।

पशुपालन / मत्स्य पालन

- भारी वर्षा के दौरान पशुओं को शेड के अंदर रखें और उन्हें संतुलित आहार प्रदान करें।
- चारे को खराब होने से बचाने के लिए सुरक्षित स्थान पर रखें।
- अतिरिक्त पानी को निकालने हेतु तालाब के चारों ओर उचित जाल का प्रयोग करके एक आउटलेट का निर्माण करें, जिससे अतिप्रवाह की स्थिति में मछलियों को बाहर निकलने से रोका जा सके।

तूफान / तेज़ हवाओं / तूफानी हवाओं के संभावित प्रभाव के लिए कृषि-मौसम संबंधी परामर्श

- बागवानी फसलों, सब्जियों और युवा फलों के पौधों व फल देने वाले पौधों को तेज हवाओं के कारण गिरने से बचाने के लिए सहारा प्रदान करें।

किंवदंतियाँ एवं संक्षिप्ताक्षर:

- **भारी वर्षा:** 64.5-115.5 मिमी; **बहुत भारी वर्षा:** 115.6-204.4 मिमी; **अत्यधिक भारी वर्षा:** >204.4 मिमी।

मौसम विज्ञान उप-विभागों का क्षेत्रवार वर्गीकरण:

- **उत्तर-पश्चिम भारत:** पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुजफ्फराबाद, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड); पंजाब, हरियाणा-चंडीगढ़-दिल्ली; पश्चिमी उत्तर प्रदेश, पूर्वी उत्तर प्रदेश, पश्चिमी राजस्थान और पूर्वी राजस्थान।
- **मध्य भारत:** पश्चिमी मध्य प्रदेश, पूर्वी मध्य प्रदेश, विदर्भ और छत्तीसगढ़।
- **पूर्वी भारत:** बिहार, झारखंड, उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम; गंगा के मैदानी पश्चिम बंगाल, ओडिशा और अंडमान और निकोबार द्वीप समूह।
- **पूर्वोत्तर भारत:** अरुणाचल प्रदेश, असम और मेघालय और नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा।
- **पश्चिम भारत:** गुजरात क्षेत्र, सौराष्ट्र और कच्छ, कोंकण और गोवा, मध्य महाराष्ट्र और मराठावाड़ा।
- **दक्षिण भारत:** तटीय आंध्र प्रदेश और यनम, तेलंगाना, रायलसीमा, तटीय कर्नाटक, उत्तर आंतरिक कर्नाटक, दक्षिण आंतरिक कर्नाटक, केरल और माहे, तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल और लक्षद्वीप।

राष्ट्रीय मौसम पूर्वानुमान केन्द्र
भारत मौसम विज्ञान विभाग
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय

National Weather Forecasting Centre
India Meteorological Department
Ministry of Earth Sciences

LEGENDS

1. अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह
2. अरुणाचल प्रदेश
3. असम और मेघालय
4. नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा
5. उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम
6. गंगीय पश्चिम बंगाल
7. ओडिशा
8. झारखंड
9. बिहार
10. पूर्वी उत्तर प्रदेश
11. पश्चिम उत्तर प्रदेश
12. उत्तराखंड
13. हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली
14. पंजाब
15. हिमाचल प्रदेश
16. जम्मू और कश्मीर और लद्दाख
17. पश्चिम राजस्थान
18. पूर्वी राजस्थान
19. पश्चिम मध्य प्रदेश
20. पूर्वी मध्य प्रदेश
21. गुजरात
22. सौराष्ट्र
23. कोंकण और गोवा
24. मध्य महाराष्ट्र
25. मराठवाड़ा
26. विदर्भ
27. छत्तीसगढ़
28. तटीय आंध्र प्रदेश और यनम
29. तेलंगाना
30. रायलसीमा
31. तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल
32. तटीय कर्नाटक
33. आतंरिक उत्तरी कर्नाटक
34. आतंरिक दक्षिणी कर्नाटक
35. केरल और माहे
36. लक्षद्वीप

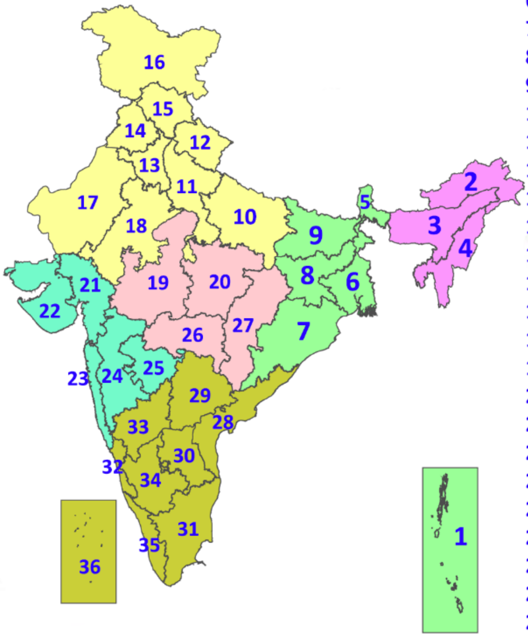

1. Andaman & Nicobar Islands
2. Arunachal Pradesh
3. Assam & Meghalaya
4. Nagaland, Manipur, Mizoram & Tripura
5. Sub-Himalayan West Bengal & Sikkim
6. Gangetic West Bengal
7. Odisha
8. Jharkhand
9. Bihar
10. East Uttar Pradesh
11. West Uttar Pradesh
12. Uttarakhand
13. Haryana, Chandigarh & Delhi
14. Punjab
15. Himachal Pradesh
16. Jammu & Kashmir and Ladakh
17. West Rajasthan
18. East Rajasthan
19. West Madhya Pradesh
20. East Madhya Pradesh
21. Gujarat
22. Saurashtra
23. Konkan & Goa
24. Madhya Maharashtra
25. Marathwada
26. Vidarbha
27. Chhattisgarh
28. Coastal Andhra Pradesh & Yanam
29. Telangana
30. Rayalaseema
31. Tamilnadu, Puducherry & Karaikal
32. Coastal Karnataka
33. North Interior Karnataka
34. South Interior Karnataka
35. Kerala & Mahe
36. Lakshadweep

SPATIAL DISTRIBUTION (% of Stations reporting)

% Stations	Category	% Stations	Category
76-100	Widespread (WS/Most Places)	26-50	Scattered (SCT/A Few Places)
51-75	Fairly Widespread (FWS/Many Places)	1-25	Isolated (ISOL)

- Fog
- Heavy Rain
- Very Heavy Rain
- Extremely Heavy Rain
- Thunder & Lightning
- Hailstorm
- Dust Raising Winds
- Heavy Snow
- Dust Storm
- Heat Wave
- Warm Night
- Hot Day
- Hot & Humid
- Strong Surface Winds
- Cold Wave
- Cold Day
- Ground Frost

COLOUR CODED WARNING

- No Warning (No Action)
- Watch (Be Aware)
- Alert (Be Prepared To Take Action)
- Warning (Take Action)

Probabilistic Forecast

Terms	Probability of Occurrence (%)
Unlikely	< 25
Likely	25 - 50
Very Likely	50 - 75
Most Likely	> 75

* Red colour warning does not mean "Red Alert", Red colour warning means "Take Action".
Forecast and Warning for any day is valid from 0830 hours IST of day till 0830 hours IST of next day.
For more details, kindly visit https://mausam.imd.gov.in or contact: 011-2434-4599
(Service to the Nation since 1875)